B.A. II (C.B.C.S. Pattern) Sem-IV (New)

BA12B-3 : Hindi Literature हिन्दी साहित्य

P. Pages : 2 **GUG/S/19/12067**

Time : Three Hours * 3 8 5 3 * Max. Marks : 80

सूचना :- सभी प्रश्न अनिवार्य है।

1. थ निम्नलिखित प्रश्नों में से **किसी एक** प्रश्न का उत्तर लिखिए। **20**

अ) 'छात्रो का आंदोलन क्यों?' इन पदों में व्यक्त कवि राष्ट्रसंत तुकड़ोजी महाराज के विचार स्पष्ट कीजिए।

अथवा

ब) 'राष्ट्र जागृति की आवश्यकता' इन पदों में कवि राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज मानव को क्या संबोधित करते हैं? और क्यों?

2. निम्नलिखित समूहों में से **किसी एक** ही समूह के सभी पंक्तियों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। **20**

समूह 'क'

1) सबके धरम भी धर्म है, गर कर्म सच्चे हो गये।
किसी के धरम में शक्ति नहिं, जब शर्म जैसे कर गये।।
अरे। धर्म तो कर्तव्य है, सब विश्व को धारण करे।
जिसकी कुवत जैसी रही, यह कर दिखावे हर तऱ्हे।।

2) अब होयगा, फिर होयगा, यह कौन सुनता है भला?।
जो होयगा अब ही करो, करने की गर होगी कला।।
मुरदा बनोगे आलसी होकर, यहाँ तब तुम नहीं।
करके दिखावेगा कोई, बस जिंदगी उसकी रही।।

3) छात्रों। जरा तो सोच लो, परदेश के मत दास हो।
जो कुछ करो, 'भारत हमारा', मानकर उन्नत करो।।
सब विश्व के भी 'वाद' का भारत ही मूलाधार है।
पढ़ लो जरा अध्यात्म तो, होंगे नहीं बेजार है।।

4) गंगा हि मुख से बोलता, पर स्नान तो करता नहिं।
व्याख्यान देता 'सत्य' का, पर कुछ भी आचरता नहीं।।
कहने से 'लड्डू' क्या बनेगा? मुखमें जब गिरता नहीं।
लढ़ता नहीं जो शत्रु से, वह 'वीर' क्यों बोले कोई?।।

अथवा

समूह 'ख'

5) यह धर्म राजा का नहीं, शत्रू से करना मित्रता।
टक्कर से टक्कर भेजना, शासक की है आदर्शता।।
जो शत्रु पे करता दया, उसकी प्रजा दुःखी रहे।
सच्ची दया तो है यही, न शत्रुता बाकी रहे।।

6) सेवक को सुख मिलता नहीं, कभु ना भिखारी मानले।
व्यसनी न हो धनवान, व्याभिचारी को शुभगति ना मिले।।
लोभी को यश मिलता नहीं, अग्यानि को कीर्ति कहाँ?
नहिं आततायी बच सके, भोगी को सुखशांती कहाँ।।

7) इन्सान ही है देवता, जो सत्य - पथ पर चला गया।
इन्सान ही साधू बने, जब संयमी मन को किया।।
इन्सान ही वह वीर है, जो ना करे अन्याय को।
इन्सान वह इन्सान है; जो खोजता सदुपाय को।।

8) सब बात लेकर के पुरानी, काम यहाँ पर लाओगे।
इस आज के बदले जमाने को, कहाँ सिखलाओगे?।।
सब मूल्य बदले पाप के और पुण्य के, गुणधर्म के।
सिध्दांत है 'जिओ जिलाओ' साथि हो इस वर्म के।।

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से **किसी तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **15**

1) भक्तिकाल की पृष्ठभूमि को स्पष्ट करते हुए। उसका कालखंड लिखिए?

2) भक्तिकाल को हिन्दी साहित्य का स्वर्णयुग क्यों कहते हैं?

3) कृष्णभक्ति शाखा की विशेषताएँ लिखिए।

4) सूफी काव्य का आशय लिखते हुए उसकी विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से **किसी भी तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **15**

1) 'महादेवी वर्मा को आधुनिक युग की मीरा कहते है।' इस आधार पर उनका साहित्यिक परिचय दीजिए।

2) माखनलाल चतुर्वेदीजी का जीवन परिचय लिखिए।

3) चंद्रधर शर्मा गुलेरी का साहित्यिक परिचय दीजिए।

4) संत गाडगेबाबा का परिचय दीजिए।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर लिखिए। **10**

1) आदमी का सबसे बड़ा मित्र कवि ने किसे माना हैं?

2) 'दुनिया मेरी' मत बोल ऐसा कवि राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज क्यों कहते हैं?

3) राम भक्ति शाखा के प्रमुख कवि और उनकी भाषा कौनसी हैं?

4) अज्ञेयजी का पूरा नाम क्या था?

5) अष्टछाप के कवियों के नाम लिखिए।

****